Volume 1 Issue 3
September 2015

वाराणसी नगर निगम eNewsletter

भारत रत्न– डा0भगवान दास

जीवन परिचय– डॉक्टर भगवानदास का जन्म १२ जनवरी १८६९ ई. में **उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुआ था।** वे वाराणसी के समृद्ध साह परिवार के सदस्य थे। सन् १८८७ में उन्होंने १८ वर्ष की अवस्था में पाश्चात्य दर्शन में एम. ए. की उपाधि प्राप्त की। १८९० से १८९८ तक उत्तर प्रदेश में विभिन्न जिलों में मजिस्ट्रेट के रूप में सरकारी नौकरी करते रहे। सन् १८९९ से १९१४ तक सेंट्रल हिंदू कालेज के संस्थापक-सदस्य और अवैतनिक मंत्री रहे। १९१४ में यही कालेज काशी विश्वविद्यालय के रूप में परिणत कर दिया गया। डॉ॰ भगवान्दास हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक-सदस्यों में से एक थे। सन् १९२१ मे काशी विद्यापीठ की स्थापना के समय से १९४० तक उसके कुलपति रहे। असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण सन् १९२१ में इन्हें कार्य से मुक्त कर दिया गया। किंतु वर्ष के शेष महीनों में घर से अलग काशी विद्यापीठ में रहते हुए एकांतवास करके उन्होंने कारावास की अवधि पूरी की। १९३५ में उत्तरप्रदेश के सात शहरों से भारत की केंद्रीय व्यवस्थापिका सभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया और एकांत रूप से दार्शनिक चिंतन एवं भारतीय विचारधारा की व्याख्या में संलग्न रहे। **भारत के राष्ट्रपति ने सन् १९५५ में उन्हें भारतरत्न की सर्वोच्च उपाधि से विभूषित किया।**

धर्म विज्ञान– डॉ॰ भगवान्दास ने तटस्थ रूप से धर्मो का वैज्ञानिक विश्लेषण किया है। उनके मत से सभी धर्मो के उसूल एक हैं। सभी धर्मो में यह माना गया है कि परमात्मा सबके हृदय में आत्मा रूप से मौजूद है। सब भूतों , सब प्राणियों के भीतर में बैठा है। सबके आगे, सबके पीछे, "मैं' ही है। सभी धर्मो में तीन अंग हैं, ज्ञान, भक्ति और कर्म। उसूली "अकायद' यानी ज्ञानकांड और, "हकीकत' की बातें तो सब मजहबों में एक हैं ही , "इबादत्त" यानी भक्तिकांड ओर "तरीकत" की बातें भी एक ही हैं और "मामिलात यानी कर्मकांड या "शरियत की ऊपरी, सतही बातें भी एक या एक सी हैं। यह बात सभी मजहबवाले मानते हैं कि खुदा है और वह एक है , वाहिद है, अद्वितीय है। यह भी सब मानते हैं कि पुण्य का फल सुख और पाप का फल दु:ख होता है। व्रत , उपवास, तीर्थयात्रा, धर्मार्थ दान ये भी सब मजहबों में हैं। सभी धर्मो ' में तीन अंग हैं, ज्ञान, भक्ति और कर्म। उसूली "अकायद" यानी ज्ञानकांड और "हकीकत' की बातें तो सब मजहबों में एक हैं ही , "इबादत्त' यानी भक्तिकांड और "तरीकत ' की बातें भी एक ही हैं और "मामिलात' यानी कर्मकांड या "शरियत' की ऊपरी, सतही बातें भी एक या एक सी हैं। सभी धर्मो में धर्म के चार मूल माने गए हैं : त्रुटि, स्मृति, सदाचार और हृदयाभ्यनुज्ञा। खुदा को ला-मकान और निराकार कहते हुए भी सभी उसके लिए खास खास मकान बनाते हैंमंदिर, मस्जिद और चर्च आदि के नाम से। डॉ॰ भगवान्दास ने सभी धर्मो के अनुयायियों की नासमझी में भी समता दिखाई है। मेरा मजहब सबसे अच्छा है , दूसरे मजहबवालों को जबरदस्ती से अपने मजहब में लाना चाहिए , यह अहंकार सबमें देखा जाता है। यह नहीं समझते कि खास तरीके खास खास देशकाल अवस्था के लिए बताए गए हैं। अंत में **डॉ. भगवानदास** ने इस बात पर बल दिया है कि आदमी की रूह इन सबों में बड़ी है। आदमियों ने ही मजहब की शक्ल समय-समय पर बदल डाली है। **डॉ. भगवानदास वर्ष 1923–1925 तक नगर पालिका, वाराणसी (वर्तमान में नगर निगम, वाराणसी) के अध्यक्ष भी रहे।**

मुख्य संरक्षक
श्री राम गोपाल मोहले
महापौर

मुख्य संपादक
श्री श्रीहरिप्रताप शाही
नगर अयुक्त

संपादक
श्री बी0के0 द्विवेदी
अपर नगर अयुक्त

समाचार संकलन
श्री संदीप श्रीवास्तव
कोआर्डिनेटर, कम्प्यूटर सेल

कम्प्यूटर डिजाइन
श्री अनूप कुमार वर्मा
कम्प्यूटर आपरेटर,

Email-
mcvns1@gmail.com
nagarnigamvns@gmail.com

Website-www.nnvns.org

Phone- 0542 222 1 711

Fax- 0542 222 1 702

Control Room
Toll Free- 155304

स्वास्थ्य विभाग संस्करण

नगर निगम द्वारा वेस्ट टू फ्यूल प्लाण्ट निर्माण की तैयारी

इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा C.S.R. के अन्तर्गत वाराणसी नगर निगम हेतु वेस्ट टू फ्यूल प्लाण्ट लगाये जाने हेतु सहमति दी गई है। इस हेतु अपेक्षित भूमि नगर निगम स्तर से चिन्हित कर इण्डियन आयल कारपोरेशन को सूचित कर दिया गया है। इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा बायो मिथेनाइजेशन हेतु छोटे–छोटे संयन्त्र (200 एम0टी0 प्रतिदिन कूड़े के निस्तारण) की क्षमता का लगाये जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जिसके सम्बन्ध में भूमि चिन्हाकंन की कार्यवाही की जा रही है।

डोर टू डोर कूड़ा एकत्र करना एवं निस्तारण की कार्यवाही पुनः प्रारम्भ किये जाने का प्रयास

वर्तमान समय नगर निगम, वाराणसी द्वारा जनसहयोग के माध्यम से घर/ कूड़े के स्रोत के स्तर पर ही सूखे गीले कूड़े को अलग–अलग कराकर एकत्रित कराया जाना व उसकी रिसाइक्लिंग व कम्पोस्टिंग वार्ड स्तर पर कराये जाने की पद्धति लागू किये जाने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है, जिसमें क्षेत्र के सफाई कर्मियों के साथ–साथ उस क्षेत्र में कार्य करने वाले अन्य वर्गों को यथा प्लास्टिक पालीथीन बीनने वाले व्यक्तियों को भी साथ लेकर कार्य किये जाने की रणनीति बनायी गई है। इसमें कूड़े का वार्ड/ जोन स्तर पर न केवल वैज्ञानिक निस्तारण होगा अपितु कूड़े की ढुलाई कर अत्यन्त दूर स्थित संयत्र पर ले जाने से भी बचा जा सकता है। इस कार्य हेतु उपयुक्त कम्पनियों के चयन हेतु दिनांक–09.09.2015 को Expression of Intrest प्रकाशित किया गया है, जिसकी अन्तिम तिथि दिनांक–16.09.2015 नियत है। नगर निगम, वाराणसी का प्रयास है कि अक्टूबर, 2015 से यह प्रक्रिया प्रारम्भ हो सके। प्रथम चरण में यह कार्य लगभग 1 लाख की आबादी क्षेत्र हेतु किया जाना प्रस्तावित है।

उक्त के अतिरिक्त नगर निगम, वाराणसी द्वारा वर्तमान समय कूड़ाघर में ही कूड़े की छटाई, पालीथीन/ प्लास्टिक की रिसाइक्लिंग व बायोडिग्रेडबुल वेस्ट के पाउडर बनाये जाने का यन्त्र स्थानीय स्तर पर एक संस्था द्वारा तैयार किया गया है। इस संयत्र से निकले पाउडर द्वारा इण्टरलाकिंग टाइल बनाये जाने में सफलता प्राप्त प्राप्त हुई है। प्रायोगिक स्तर पर दिनांक–20.09.2015 से एक कूड़ाघर पर यन्त्र लगाया जा रहा है। इस प्रयोग के सफलता प्राप्त होने की सम्भावना है। प्रयोग सफल होने पर इसे और स्थानों पर प्रारम्भ किये जाने की योजना है। एक यन्त्र की लागत लगभग रु0 7.50 लाख है।

स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित अधिकारियों के मोबाईल नम्बर

डा0 ओ0पी0 तिवारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी मो0 8601872603

डा0 गोविन्द मिश्र, जोनल स्वा0 अधिकारी, दशाश्वमेध एवं कोतवाली जोन, मो0 8601872662

डा0 असलम अंसारी, जोनल स्वा0 अधिकारी, मो0 8601872669

नगर निगम द्वारा आधुनिक कूड़ेदान की तैयारी

इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा के साथ भाभा एटामिक रिसर्च सेन्टर द्वारा नगर निगम, वाराणसी में विगत दिनों एक प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसमें ऐसे कूड़ेदान का निर्माण किया गया है, जिसमें कल्चर के माध्यम से बायो डिग्रडेबल वेस्ट कम्पोस्ट के रुप में 2 दिनों में परिवर्तित हो जाता है। इस तरह के कूड़ेदान घर–घर में रखे जाने की दशा में कूड़े का न्यूनीकरण होगा व नागरिक अपने घर के कूड़े को स्वयं खाद के रूप में कर सकते है, या उनके उपयोग में न होने की स्थिति में उसे निगम स्तर से एकत्रित कराया जा सकता है। निगम इस तरह के कूड़ेदान का एक सीमित क्षेत्र में इसका प्रभाव देखना चाहता है और सफल होने की दशा में ऐसे लगभग 2 लाख कूड़ेदान की आवश्यकता होगी। नगर निगम, वाराणसी द्वारा इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

नगर निगम की सफाई व्यवस्था एक नजर

वर्तमान समय में नगर निगम, वाराणसी द्वारा पूरे नगर में सफाई व्यवस्था हेतु अत्यधिक प्रयास किया जा रहा है। नगर निगम, वाराणसी द्वारा पूरे शहर में सड़कों की सफाई एवं कूड़े का प्रतिदिन उठान किया जा रहा है। नगर से प्रतिदिन निकलने वाला लगभग 600 एम0टी0 कूड़े की मात्रा को नगर निगम अपने संसाधनों से नगर निगम सीमा क्षेत्र के बाहर मुख्यालय से लगभग 15 कि0मी0 दूर ग्राम–रमना में जो नगर निगम की भूमि है पर उपयुक्त तरीके से एकत्रीकरण किया जा रहा है। ग्राम–रमना में मार्ग मरम्मत एवं स्थल पर मार्ग प्रकाश की व्यवस्था नगर निगम, वाराणसी द्वारा की गई है।

वर्तमान समय नगर निगम, वाराणसी द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कुल **255 कन्टेनर** स्थापित किये गये हैं, जहॉ से प्रतिदिन कूड़े का उठान किया जाता है। आवश्यकतानुसार शहर में और अधिक कन्टेनर स्थापित करने हेतु कार्यवाही की जा रही है। वर्तमान समय नगर निगम, वाराणसी द्वारा शहर के कुल 42 मुहल्लों/ कालोनियों में अपने संसाधनों से प्रतिदिन घर–घर से कूड़े को एकत्रित करने का कार्य सफलतापूर्वक किया जा रहा है। व्यापारिक प्रतिष्ठानों से प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े को सड़कों पर न फेंके इस हेतु नगर निगम प्रशासन द्वारा व्यापारियों को डस्टबिन उपलब्ध कराया जा रहा है। साफ सफाई से सम्बन्धित शिकायतें दर्ज कराने हेतु आम नागरिकों के लिए नगर निगम वाराणसी में कन्ट्रोल रुम की स्थापना की गई है।टोलफ्री नम्बर–155304 पर प्रातः 10 बजे से सायंकाल 5 बजे तक कोई भी नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकता है।

मो0 आजम खॉ, मा0 मंत्री जी, नगर विकास विभाग, जल सम्पूर्ति, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, शहरी समग्र विकास, संसदीय कार्य, मुस्लिम वक्फ, अल्पसंख्यक कल्याण एवं हज, उ0प्र0 शासन द्वारा दिनांक–15.09.2015 को वाराणसी में विभिन्न विभागों के कार्यो का लोकार्पण/ शिलान्यास किया गया

मा0 मंत्री जी द्वारा जे0एन0एन0यू0आर0एम0 योजना के अन्तर्गत वाराणसी नगर **स्टार्म वाटर ड्रेनेज** परियोजना का लोकार्पण किया गया। यह योजना रु0 27787.81 लाख की थी। JnNURM योजना के अन्तर्गत वाराणसी नगर में जल निकासी का कार्य पूर्ण कराया गया। इस योजना में कुल 74.45 कि0मी0 पाइप लाईन बिछाया गया। 11 कुण्डों का जिर्णोद्धार कराया गया तथा 8 कुण्ड पाण्ड का कनेक्शन का कार्य कराया गया। इस कार्य के पूर्ण होने से कम समय में वर्षा जल निकासी होगी।

मा0 मंत्री जी द्वारा **पेयजल योजना** के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यो का लोकार्पण किया गयाः–

- उ0प्र0 जल निगम द्वारा गाजीपुर में–4 पेयजल योजना का कार्य पूर्ण कर जलापूर्ति प्रारम्भ।
- उ0प्र0 जल निगम द्वारा जौनपुर में–5 पेयजल योजना का कार्य पूर्ण कर जलापूर्ति प्रारम्भ।

वाराणसी नगर में स्थित ऐतिहासिक पिशाचमोचन कुण्ड का लोकार्पण मा0 मंत्री जी द्वारा किया गया। सैकड़ो वर्षों से स्थित इस कुण्ड में देश विदेश के नागरिक अपने पूर्वजों के श्राद्ध हेतु पितृपक्ष के समय यहॉ आते है, जहॉ पर अपने पूर्वजो के तर्पण हेतु पूजा पाठ करते हैं। यह कुण्ड अत्यधिक जीर्ण शीर्ण अवस्था में था। कार्यदायी संस्था सी0एण्ड0डी0एस0 उ0प्र0 जल निगम द्वारा रु0 664.46 लाख की धनराशि से इस कुण्ड का जिर्णोद्धार कराया गया। इसमें कुण्ड घाट का निर्माण, रिटेनिंग वाल, परिक्रमा पथ का निर्माण, एम0एस0 पोल एवं लैन्टर्स का कार्य 21 नग, यात्री बेन्च का कार्य, 32 नग, एम0एस, रेलिंग का कार्य, सबमर्सिबल पम्प का अधिष्ठापन कराया गया।

मा0 मंत्री जी द्वारा अवस्थापना निधि के अन्तर्गत वाराणसी शहर में सड़क सुधार, नाली एवं पटरी निर्माण के कार्यो का लोकार्पण किया गया। जिसमें अवस्थापना निधि के अन्तर्गत निर्मित 12 कार्यो का एवं नगरीय सड़क सुधार योजना के अन्तर्गत निर्मित 4 कार्य है, जिसकी कार्यदायी संस्था वाराणसी नगर निगम, वाराणसी है।

मा0 मंत्री जी द्वारा **भवन एवं सन्निर्माण अधिनियम** साइकिल सहायता योजना के अन्तर्गत 100 श्रमिकों को साइकिल वितरित किया गया, जिस पर रु0 3 लाख की धनराशि व्यय की गई। इस योजना की कार्यदायी संस्था श्रमायुक्त विभाग, वाराणसी थी।

मा0 मंत्री जी द्वारा समाज कल्याण, विभाग वाराणसी की ओर से आयोजित **राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना** के अन्तर्गत 50 व्यक्तियों को रु0 30 हजार प्रति व्यक्ति की दर से पारिवारिक

मा0 नगर विकास मंत्री जी द्वारा कई योजनाओं का लोकार्पण भी किया गया। जिसमें ट्रांस वरूणा क्षेत्र में JnNURM की सीवरेज योजना रु0 43973.24 लाख की धनराशि से 120 एम.एल.डी. क्षमता का एस.टी.पी. ग्राम गोइठहॉ में बनाया जाना। उ0प्र0 जल निगम द्वारा वाराणसी जनपद में 02 क्रमशः आयर एवं तेवर ग्राम में पेयजल कार्य कराया जाना। उ0प्र0 जल निगम द्वारा चन्दौली जनपद में 02 स्थलों पर पेयजल कार्य कराया जाना। उ0प्र0 जल निगम द्वारा गाजीपुर जनपद में 07 स्थलों पर पेयजल कार्य कराया जाना। इन सभी कार्यो की कार्यदायी संस्था उ0प्र0 जल निगम, वाराणसी है।

मा0 मंत्री जी द्वारा कमजोर वर्ग आय के लोगों के लिए आवास उपलब्ध कराये जाने हेतु राजीव आवास योजना, आसरा योजना तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना के आवासो को बनाये जाने हेतु शिलान्यास किया गया। राजीव आवास योजना के अन्तर्गत रु0 5499.23 लाख की धनराशि से एक स्थल पर, आसरा योजना के अन्तर्गत रु0 1839.74 लाख की धनराशि से 6 स्थलों पर तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना के अन्तर्गत रु0 293.88 लाख की धनराशि से 2 स्थलों पर कार्य किये जाने है। इन कार्यो की कार्यदायी संस्था डूडा एवं सी0एण्ड0डी0एस0 उ0प्र0 जल निगम, वाराणसी है।

मा0 मंत्री जी द्वारा कृषि विभाग, वाराणसी की ओर से आयोजित पूर्वी उ0प्र0 में हरित क्रान्ति विस्तार योजना के अन्तर्गत 4 व्यक्तियों को रु0 35 हजार प्रति व्यक्ति की दर से अनुदान दिया गया।

मा0 मंत्री जी द्वारा अपने एक दिवसीय वाराणसी प्रवास में कई योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। साथ ही मा0 मंत्री जी द्वारा वाराणसी नगर निगम, वाराणसी के अधिकारियों के साथ नगर निगम के बेहतरी एवं साफ सफाई हेतु कई दिशा निर्देश दिये गये।

मा0 मंत्री जी के वाराणसी भ्रमण के समय श्री शकील अहमद ''बबलू'' श्री एस0पी0 सिंह, सचिव, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन, उ0प्र0 जल निगम लखनऊ एवं वाराणसी के वरिष्ठ अधिकारीगण, श्री एच0पी0 शाही, नगर आयुक्त, वाराणसी, श्री बी0के0 द्विवेदी, अपर नगर आयुक्त, नगर निगम, वाराणसी, डा0 ओ0पी0 तिवारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, श्री कैलाश सिंह, मुख्य अभियन्ता, श्री बी0के0 पाण्डेय, महाप्रबन्धक, जलकल, नगर निगम, वाराणसी एवं जलकल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा योजनाओं से सम्बन्धित अन्य विभागों के अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित थे।